RNI NO. RAJHIN/2013/50649

pktimesnews.com | PK Times News | thepktimesofficial | pk_timesofficial

PK टाइम्स

दैनिक
लोक टुडे
www.loktodaynews.com

ईरान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाएगा

वर्ष - 12 | अंक - 264 | मूल्य - 1 रुपए | राजस्थान | बुधवार, 01 अप्रैल, 2026

शिक्षा राजस्थान बोर्ड ने 12वीं साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स का जारी किया रिजल्ट, बड़े जिलों का प्रदर्शन रहा फीका

फिर बेटियों ने मारी बाजी, 7 जिलों में 100% रिजल्ट फलौदी का सिर्फ 36.43%, तीनों संकाय में 9 टॉपर

लोक टुडे। जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने मंगलवार को 12वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया। राजस्थान बोर्ड 12वीं आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स तीनों स्ट्रीम के परिणाम एक साथ जारी किए गए। साइंस में 5 विद्यार्थियों दीपिका रानी, सोनू मेहरा, दिव्या भादू, निकिता, रिशिता ने 99.80 प्रतिशत मार्क्स हासिल संयुक्त टॉपर ने टॉप किया है। आर्ट्स में भी 3 टॉपर स्टूडेंट नव्या मीणा, नैंसी चौधरी और नरपत को 99.60 प्रतिशत अंक मिले। कॉमर्स में 99.20 प्रतिशत नंबर लेकर वर्षा रानी ने टॉप किया। इस वर्ष राजस्थान बोर्ड 12वीं आर्ट्स का रिजल्ट 97.54 फीसदी, कॉमर्स का 98.50 और साइंस का 97.52 फीसदी रिजल्ट रहा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावार ने आरबीएसई 12वीं आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस तीनों स्ट्रीम का रिजल्ट एक साथ जारी किया। सभी विषयों में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा, विज्ञान में उनकी उत्तीर्ण दर 98.34% रही और कला में भी उनकी उत्तीर्ण दर काफी अच्छी रही। राजसमंद ने उच्चतम उत्तीर्ण प्रतिशत (98.70%) हासिल किया, उसके बाद डिडवाना-कुचामन और सिरोही का स्थान रहा।

राजस्थान बोर्ड 12वीं रिजल्ट 2026

तीनों संकाय के टॉपर

विषय	नंबर	नाम	पिता का नाम	प्रतिशत
विज्ञान	499	सोनू मेहरा	विनोद मेहरा	99.80%
विज्ञान	499	दीपिका रांकावत	रामस्वरूप स्वामी	99.80%
विज्ञान	499	दिव्या भादू	सुजाराम भादू	99.80%
विज्ञान	499	निकिता	हरफूल	99.80%
विज्ञान	499	रिषिता	बाबूलाल टूनवाल	99.80%
वाणिज्य	496	वर्षा रानी	कृष्ण कुमार	99.20%
कला	498	नरपत	मूलाराम	99.60%
कला	498	नव्या मीणा	अशोक कुमार मीणा	99.60%
कला	498	नैंसी चौधरी	तेजेंद्र कुमार	99.60%

बड़े जिलों का फीका रहा प्रदर्शन

राजधानी जयपुर, जहां सबसे ज्यादा छात्र परीक्षा में शामिल हुए, वहां कुल पास प्रतिशत 94.99% रहा। यह अच्छा तो है, लेकिन टॉप जिलों के मुकाबले थोड़ा पीछे माना जा रहा है। जोधपुर (94.29%), अजमेर (98.59%), बीकानेर (99.28%) और चूरू (98.75%) जैसे जिलों ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और राज्य के औसत को ऊपर बनाए रखा।

इन जिलों ने मारी बाजी : इस बार बांसवाड़ा, दौसा, करौली, डीग, बालोतरा और कोटपुतली बीहरोर जैसे जिलों ने 100 प्रतिशत रिजल्ट देकर सबको चौंका दिया। इन जिलों में एक भी छात्र फेल नहीं हुआ, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। साथ ही सि-रोही (99.69%), टोंक (99.52%), हनुमानगढ़ (99.59%), पाली (99.17%) और उदयपुर (99.08%) जैसे जिलों ने भी लगभग परफेक्ट प्रदर्शन किया। इन जिलों के छात्रों ने साबित किया कि सही तैयारी और गाइडेंस से शानदार नतीजे हासिल किए जा सकते हैं।

कहां रही सबसे ज्यादा कमी : कुछ जिलों में नतीजे उम्मीद से काफी कमजोर रहे। खासकर फलोदी का प्रदर्शन सबसे ज्यादा चौंकाने वाला रहा, जहां कुल पास प्रतिशत सिर्फ 36.43% दर्ज हुआ। इसके अलावा खैरथल तिजारा (67.77%), प्रतापगढ़ (77.06%), कोटा (76.13%) और सवाई माधोपुर (80%) जैसे जिलों में भी पास प्रतिशत कम रहा।

लड़कियों ने फिर मारी बाजी : लगभग हर जिले में लड़कियों का पास प्रतिशत लड़कों से ज्यादा रहा। जैसे अजमेर में लड़कियों का रिजल्ट 99.12% रहा, जबकि लड़कों का 98.29% रहा। बीकानेर, भरतपुर, टोंक और धौलपुर जैसे कई जिलों में लड़ कियों ने 100% तक रिजल्ट हासिल किया। यह ट्रेंड पिछले सालों की तरह इस बार भी जारी रहा और एक बार फिर बेटियों ने अपनी मेहनत का लोहा मनवाया।

बिहार के नालंदा शीतला माता मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

राष्ट्रपति की सुरक्षा में 2500 जवान, 25 हजार श्रद्धालुओं के लिए कोई नहीं

लोक टुडे। बिहार/जयपुर

बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है। मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 25 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं। दीपनगर थाने के SHO राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। राज्य सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है।

हादसे से जुड़ी बड़ी बातें -

चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार के चलते पटना और आसपास के इलाकों से भी दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस वजह भीड़ बहुत बढ़ गई। मंदिर परिसर छोटा था। भीड़ को कंट्रोल करने के इंतजाम नहीं थे। लोगों में पहले दर्शन करने की होड़ लग गई। लोग कतार में लगने की जगह आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इससे भगदड़ की स्थिति बन गई।

लापरवाही के तीन बड़े.कारण

मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था नहीं की

चैत्र का आखिरी मंगलवार है। मघड़ा शीतला मंदिर में इस दिन हर साल भीड़ होती है, मंदिर प्रबंधन को इस बात की जानकारी थी, इसके बाद भी भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए अलग से कोई इंतजाम नहीं किया गया था। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग तक नहीं की गई थी। सुबह 8 से 9 बजे के बीच भीड़ अव्यवस्थित हो गई।

चोर दरवाजे से दर्शन कराए जा रहे थे

बढ़ती भीड़ को कंट्रोल करने की बजाए मंदिर प्रबंधन और वहां मौजूद पुजारी फायदा उठा रहे थे। वे लोगों से पैसा लेकर पीछे के दरवाजे से माता का दर्शन कराने लगे। इन्हें रोकने वाला कोई नहीं था, ये अपनी मनमानी कर रहे थे। इसके कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती चली गई।

25 हजार की भीड़ कोई व्यवस्था नहीं

मंदिर परिसर में न तो सुरक्षा का कोई इंतजाम था और न ही भीड़ को कंट्रोल करने के लिए किसी पुलिसकर्मी को तैनात किया गया था। मेले की पहले से जानकारी होने के बाद भी प्रशासन की तरफ से यहां किसी मजिस्ट्रेट को तैनात नहीं किया गया था। घटना स्थल से 30KM की दूरी पर राष्ट्रपति आने वाली थीं, वहां 8 जिले के ढाई हजार जवान तैनात किए गए थे।

मिट्टी की सुरंग ढही, खेल-खेल में चली गई तीन दोस्तों की जान

लोक टुडे। सीकर

सीकर में खेलने के लिए बनाई गई मिट्टी की सुरंग ढहने से तीन दोस्तों की मौत हो गई। वहीं, चौथे दोस्त की जान बच गई, जिसके चिल्लाने पर लोगों को घटना बारे में पता चला। हादसा नेछवा थाना इलाके में सोमवार दोपहर 12:30 बजे गनेड़ी गांव में हुआ। पुलिस के मुताबिक होलाश मेघवाल (10) पुत्र नानूराम मेघवाल, गौतम सैनी (14) पुत्र रतनलाल सैनी, दीपेश नायक (12) पुत्र भंवरलाल नायक और कृष्ण खेत में मिट्टी के 3 से 4 फीट ऊंचे टीले के नीचे बनाई सुरंग में खेल रहे थे। कृष्ण सुरंग बाहर की ओर था। बाकी तीनों दोस्त अंदर चले गए। इस दौरान अचानक मिट्टी ढह गई। होलाश, गौतम और दीपक मिट्टी के नीचे दब गए। कृष्ण के भी पैर मिट्टी में दबे थे। फिर भी उसने मिट्टी में दबे अपने दोस्तों को निकालने की कोशिश की। बात नहीं बनी तो चिल्लाने लगा, ऐसे में गांव के लोग वहां पर आ गए। सुचना पर नेछवा पुलिस भी मौके पर पहुंची। मिट्टी हटाकर तीनों को बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

दो बच्चों के पिता की भी हो चुकी मौत : होलाश के पिता नानूराम की 1 साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ज्यादा ठीक नहीं है। दीपेश के पिता ने भी करीब डेढ़ से 2 साल पहले सुसाइड कर लिया था। दीपेश और होलाश सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। नेछवा SHO कैलाश चंद का कहना है कि खेलने के दौरान यह हादसा हुआ।

जयपुर में पहचान चुराकर 4.37 करोड़ का फ्रॉड

डॉक्टर के नाम से उठाए 36 लोन, CIBIL रिपोर्ट जनरेट होने पर चला पता

लोक टुडे। जयपुर

जयपुर में SMS हॉस्पिटल के एक डॉक्टर की पहचान चुराकर फाइनेंसियल फ्रॉड करने का मामला सामने आया है। डॉक्टर की आइडेंटिटी थीफ के जरिए धोखे से 4 करोड़ रुपए से ज्यादा के 36 लोन लिए गए। CIBIL रिपोर्ट जनरेट करने पर लोन डिटेल चढ़ी देखकर डॉक्टर दंग रह गए। पीड़ित डॉक्टर ने गांधी नगर थाने में FIR दर्ज करवाई है। एसएचओ गांधीनगर भजनलाल ने बताया कि रटर हॉस्पिटल में कार्यरत 56 साल के डॉक्टर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उन्होंने रिपोर्ट में बताया कि बजाज नगर स्थित इंडियन बैंक ब्रांच की ओर से उनके ढअठ नंबर पर उक्काक्छ रिपोर्ट जनरेट की गई। रिपोर्ट देखने पर पता चला कि उसमें बड़ी संख्या में लोन अकाउंट दिखाए गए। रिपोर्ट में दिखाए लोन में कोई भी लोन उन्होंने नहीं लिया था।

पहचान संबंधी जानकारी यूज की : इस संबंध में CIBIL से कॉन्टैक्ट करने पर कोई जबाव नहीं मिला है। शक है कि किसी धोखेबाज व्यक्ति ने पहचान संबंधी जानकारी का यूज कर उक्काक्छ का अकाउंट भी बना लिया है। उक्काक्छ की ओर से उस व्यक्ति के ई-मेल का भी जबाव दिया जा रहा है। जालसाज की ओर से इतनी आसानी से कई बैंकों और CIBIL को भ्रमित किया गया

जयपुर डिस्कॉम में अधीक्षण अभियंता के तीन नए पद सृजित

लोक टुडे। जयपुर

राज्य सरकार ने जयपुर विद्युत वितरण निगम में अधीक्षण अभियंता के तीन नए पदों के सृजन को स्वीकृति दी है। इससे निगम में अधीक्षण अभियंता के स्वीकृत कैडर की संख्या बढ़कर 42 हो गई है। उल्लेखनीय है कि निगम ने पीएम कुसुम, पीएम सूर्यघर तथा आरड-ीएसएस आदि योजनाओं के बेहतर संचालन के लिए अधीक्षण अभियंता के नए पद स्वीकृत करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष भिजवाया था। वित्त विभाग ने इनके सृजन को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस मंजूरी से इन महत्वपूर्ण केन्द्रीय योजनाओं का प्रदेश में और प्रभावी क्रियान्वयन हो सकेगा। साथ ही, निगम में अधिशासी अभियंताओं के लिए पदोन्नति के बेहतर अवसर भी उपलब्ध हो सकेंगे।

PK टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, बुधवार, 01 अप्रैल, 2026

सीजीडी संस्थाएं डेली ढाई से तीन हजार परिवारों को डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ें : मुख्य सचिव

लोक टुडे। जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को प्रतिदिन औसतन ढाई हजार से तीन हजार परिवारों तक पाइपलाइन के माध्यम से घरेलू गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो चुकी है, वहां के परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ना केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय में राज्य में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के शीर्ष स्तर के अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ डीपीएनजी संरचना की स्थिति तथा डीपीएनजी सुविधा से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वर्चुअल बैठक में स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो गई है, वहां क्षेत्रवासियों को एलपीजी से पाइपलाइन गैस सुविधा से जोड़ना केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं। साथ

ही इन क्षेत्रों की औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को भी पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस कनेक्शन से जोड़ा जाना है। वी. श्रीनिवास ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को एलपीजी से डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि डीपीएनजी की सस्ती दर, 247 सेवा उपलब्धता, बुकिंग की झंझट से मुक्ति, सुरक्षित, स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा जैसे लाभों के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग डीपीएनजी सेवाओं से जुड़ सकें। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अर्पणा अरोरा ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के 17 भौगोलिक क्षेत्रों में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि सीजीडी संस्थाओं को तीन माह में पीएनजी कनेक्शनों की संख्या एक लाख 25 हजार से बढ़ाकर 5 लाख करने का लक्ष्य दिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव श्री अम्बरीश कुमार ने बताया कि राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा राज्य सरकार स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। बैठक में राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने डीपीएनजी कनेक्शनों की वर्तमान स्थिति एवं भावी कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, निदेशक पेट्रोलियम अवधेश सिंह सहित राज्य सरकार के अधिकारी एवं सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शादी के नाम पर ठगी; घर से जेवर-नगदी लेकर महिला फरार

भागने के लिए बीमार सास को खिचड़ी में फिनायल पिलाई, हॉस्पिटल जाते ही भागी

लोक टुडे। अलवर

अलवर जिले में शादी का झांसा देकर ठगी करने का मामला सामने आया है। दिल्ली रोड स्थित जनता कॉलोनी निवासी विक्रमजीत ने कोर्ट में परिवाद पेश कर तीन महिलाओं पर धोखाधड़ी, जहर देने का प्रयास, चोरी और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित विक्रमजीत ने बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाली महिला बबली कौर के माध्यम से उसकी पहचान पिंकी कौर से हुई थी। पिंकी ने उसे बताया कि वह शादियां करवाती है और अपनी भांजी रेखा कौर से उसका विवाह करवा सकती है। जब विक्रमजीत ने रेखा के पहले

से शादीशुदा होने की बात कही तो पिंकी ने भरोसा दिलाया कि उसका तलाक हो चुका है और जल्द ही कोर्ट से भी कागजी कार्रवाई पूरी हो जाएगी। विश्वास में आकर 9 मई 2025 को विक्रमजीत को कोर्ट बुलाकर रेखा के साथ लिव-इन रिलेशनशिप का एग्रीमेंट तैयार कराया गया। इसके बाद 26 मई 2025 को 60 फीट रोड स्थित गुरुद्वारे में दोनों की शादी करवा दी गई। शादी के कुछ दिनों बाद ही रेखा का व्यवहार बदल गया।

महिला पहले से शादीशुदा, तलाक भी नहीं : जांच करने पर विक्रमजीत को पता चला कि रेखा का अपने पहले पति से तलाक हुआ ही नहीं था और यह पूरा एक सुनियोजित षड्यंत्र था। आरोप है कि 23 जून 2025 को रेखा ने विक्रमजीत की बीमार मां को खिचड़ी में फिनाइल मिलाकर खिला दी

ऊर्जा मंत्री बोले- थर्मल यूनिट बंद नहीं होगी

लोक टुडे। कोटा

किसानों और बिजली व्यवस्था को लेकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने स्पष्ट किया है कि किसी भी सूरत में थर्मल यूनिट बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा दिया जाएगा, ताकि उन्हें राहत मिल सके। कोटा में इंद्र विहार स्थित अपने निजी आवास पर जनसुनवाई के दौरान ऊर्जा मंत्री नागर बोल रहे थे।

डोमिनोज ने बिल्डर को वेज की जगह नॉनवेज पिज्जा भेजा

खाने के आधे घंटे बाद फोन करके बताया, पता चलते ही तबीयत बिगड़ी

लोक टुडे। अजमेर

अजमेर में डोमिनोज ने शाकाहारी ग्राहक को वेज की जगह नॉनवेज पिज्जा भेज दिया। आधे घंटे बाद कंपनी ने फोन करके बताया कि पिज्जा नॉनवेज था। तब तक ग्राहक पिज्जा खा चुका था। जानकारी मिलते ही ग्राहक की तबीयत बिगड़ गई। कई बार उल्टियां हुईं। कंपनी ने ग्राहक की शिकायत के बाद दोबारा वेज पिज्जा भिजवा। पैसे भी वॉलेट में वापस रिटर्न कर दिए। लेकिन ग्राहक ने गम्भीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कस्टमर केयर पर शिकायत की है। जिसमें बताया है कि बॉक्स पर वेज-नॉन वेज की कोई टैगिंग भी नहीं की गई थी। मामला पंचशील कॉलोनी का मंगलवार रात का है। यहां रहने वाले एक बिल्डर ने पिज्जा ऑर्डर किया था। वैशाली नगर निवासी बिल्डर ने बताया- पंचशील नगर स्थित CSM मॉल के डोमिनोज से मंगलवार रात 9 बजे करीब वेज पिज्जा ऑर्डर किया था, इसकी डिलेवरी दी गई। हमने वो पिज्जा खा लिया। करीब आधे घंटे बाद कंपनी का कॉल आया कि गलती हो गई है। वेज की जगह नॉनवेज पिज्जा दे दिया है। इस पर डोमिनोज वालों को बताया कि ये कोई गलती नहीं बल्कि बहुत बड़ी लापरवाही है। उन्होंने इसे ह्यूमन एरर बताया और माफी मांगते हुए पैसे रफिंड करने की बात कही।

गायों के बाड़े में निकला 4 फीट लंबा कोबरा

स्नेक कैचर ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा

लोक टुडे। जैसलमेर

जैसलमेर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी की दस्तक के साथ ही वन्यजीवों का रिहायशी इलाकों में निकलना शुरू हो गया है। जैसलमेर मुख्यालय से करीब 41 किलोमीटर दूर स्थित बड़ोडा गांव में बीती रात एक विशालकाय कोबरा सांप निकलने से हड़कंप मच गया। स्नेक कैचर साहिल खान ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षित रेस्क्यू किया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 10 बजे बड़ोडा गांव के एक रिहायशी मकान में परिवार का सदस्य गायों को बाड़े में गया था। जैसे ही वह बाड़े के भीतर दाखिल हुआ, अचानक उसके पैरों के बेहद

करीब से एक करीब 4 फीट लंबा काला कोबरा फुंकार भरता हुआ निकला। अचानक सामने आए जहरीले सांप को देख युवक के होश उड़ गए। सांप देखते ही देखते पास ही रखे गोबर के उपलों (छानों) के ढेर में जाकर छिप गया। परिजनों ने हिम्मत दिखाते हुए सांप को मारने के बजाय उस पर नजर रखी और तुरंत जैसलमेर के वन्यजीव प्रेमी व स्नेक कैचर साहिल खान को सूचना दी।

साहिल खान ने किया सुरक्षित रेस्क्यू : सूचना मिलते ही साहिल खान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे। रात के अंधेरे और उपलों के ढेर के बीच सांप को खोजना चुनौतीपूर्ण था। साहिल ने सावधानीपूर्वक उपलों को हटाकर कोबरा को लोकेट किया और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर डिब्बे में बंद किया।

जयपुर में सप्लाई हो रहा बदबूदार पानी

लोक टुडे। जयपुर

जयपुर में ही करीब 1 हजार से ज्यादा लोगों को बदबूदार पानी की सप्लाई से परेशान होना पड़ रहा है। हालत इतने खराब हैं कि पानी से सीवर जैसी बदबू आ रही है। पानी इतना खराब है कि लोग पीना तो दूर, नहाने में भी इस्तेमाल नहीं कर पा रहे। नल शूरू करते ही इतनी तेज बदबू आती है कि पूरे घर में फैल जाती है। पानी पीने पर उल्टी जैसा महसूस होता है। ये हालत है अजमेर रोड स्थित सोडाला इलाके की सुशीलपुरा कॉलोनी की। हालात ऐसे हैं कि लोग मजबूरी में डेढ़ से दो किलोमीटर दूर से पानी लाकर उपयोग कर रहे हैं। कई परिवार टैंकर मंगवा रहे हैं। कैंपर और बाल्टियों में

पानी भरकर ला रहे हैं। लोगों ने इसकी शिकायत PHED विभाग को दी है।

लोगों में नाराजगी, हादसे का खतरा : स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह सीवर मिला पानी सप्लाई होना बड़ी लापरवाही है। हाल ही में मध्य प्रदेश में सीवर के पानी से गंभीर हादसा हो चुका है, ऐसे में यहां भी खतरा बना हुआ है। लोगों ने जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है, ताकि कोई बड़ा नुकसान न हो। शांतिनगर जेईएन नैना ने बताया - मुझे सुशीलपुरा का एडिशनल चार्ज दिया हुआ है। मैंने आज वहां अपने सुपरवाइजर को भेजकर चेक करवाया था। ऐसे में वहां जो अभी तक सामने आया है कि सीसी रोड टूटी हुई है। अब एक बार सीसी रोड का मलवा हट जाए उसके बाद मैं खुद जाकर चेक करुंगी। इसके बाद आगे क्लियर होगा। वहीं, एईएन सिविल लाइंस अजित यादव को कॉल किया तो उनका फोन बंद आया।

क्राइम फाइल्स

स्कॉर्पियो और क्रूजर की भिड़ंत में 3 महिलाओं की मौत

हरियाणा में शोकसभा से लौट रहा था परिवार

लोक टुडे। हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ में स्कॉर्पियो और क्रूजर की आमने-सामने की भिड़ंत में 3 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 22 लोग घायल हो गए। 12 लोगों को गंभीर हालत में हनुमानगढ़ रेफर किया गया है, जबकि अन्य का नोहर हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। क्रूजर गाड़ी में सवार लोग हरियाणा में रिश्तेदारी में शोक संवेदना जताकर लौट रहे थे। हादसा नोहर में भद्रकाली बाइपास पर हुआ। एसपी नरेंद्र मीणा ने बताया- क्रूजर सवार लोग सोमवार शाम करीब 7 बजे हरियाणा से अपने गांव बुधवालियां, रावतसर लौट रहे थे। इस दौरान नोहर में भद्रकाली बाइपास पर सामने से आई स्कॉर्पियो से भिड़ंत हो गई। हादसे में क्रूजर सवार राजबाला (40) पत्नी लक्ष्मणराम, रोशनी (48) पत्नी सागर मल और कलावती (40) पत्नी राजेंद्र की मौत हो गई। हादसे में 3 से 6 साल के 4 बच्चों समेत 22 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को क्षतिग्रस्त गाड़ियों से निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया। 12 लोगों को गंभीर हालत में हनुमानगढ़ रेफर कर दिया गया, जबकि 10 घायलों का नोहर हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। एसपी ने बताया- क्रूजर गाड़ी में सवार लोग हरियाणा के बरढाना गांव में रिश्तेदारी में शोक संवेदना जताकर लौट रहे थे, जबकि बिना नंबर की स्कॉर्पियो सवार लोग जमाल, हरियाणा की तरफ जा रहे थे।

हादसे में घायल इन लोगों को हनुमानगढ़ किया रेफर

हादसे में बुधवालिया गांव निवासी राजो (50) पत्नी हरिसिंह, विजास (25) पत्नी हंसराज, गुलजारी (40) पत्नी रामेश्वर, संतोष (50) पत्नी दर्शन, बनारसी (40) पत्नी राजेश, सीमा (40) पत्नी मोहर सिंह, दर्शन (50) पुत्र गुगनराम, मिनाक्षी (4) पुत्री राजेश, उत्तम (3) पुत्र राकेश, माही (6) पुत्री राकेश और जमाल निवासी चित्रा (5) पुत्री हैप्पी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनको हनुमानगढ़ रेफर किया गया है।

नाबालिग से रेप के दोषी को 20 साल की जेल

लोक टुडे। नागौर

नागौर में नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में आरोपी को दोषी मानते हुए पॉक्सो कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई है। जज ने फैसले में कहा कि बच्चों के साथ होने वाले अपराध बहुत गंभीर होते हैं और इनमें कोई रियायत नहीं दी जा सकती है। घटना 16 जून 2022 की है, जिसके करीब 6 महीने बाद 19 दिसंबर 2022 को एक थाने में मामला दर्ज किया गया था। जिले की पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी मोहम्मद रमजान (20) को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई है। पॉक्सो कोर्ट ने मामले में सामने आए सबूतों, मेडिकल रिपोर्ट और पीड़िता के बयानों को ऑन रिकॉर्ड लिया। जज वंदना राठौड़ ने कहा कि बच्चों के साथ होने वाले अपराध बहुत गंभीर होते हैं और इनमें कोई रियायत नहीं दी जा सकती। आरोपी मोहम्मद रमजान को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा दी गई है। साथ ही जुर्माना भी लगाया गया है। मामले में पीड़िता को मुआवजा देने का भी आदेश दिया गया, जिससे उसके पुनर्वास में मदद मिल सके। केस में पीड़िता की तरफ से वकील डॉ. पवन श्रीमाली ने पैरवी की।

जोधपुर में जुआरियों ने पुलिस पर किया हमला

लोक टुडे। जोधपुर

जोधपुर में जुआरियों ने पुलिस पर हमला कर दिया। वहीं पुलिस के एक हैड कॉन्स्टेबल का हाथ काट लिया। जोधपुर में सोमवार रात को जुआ खेलने की सूचना पर कार्रवाई के लिए पुलिस पहुंची। इस पर जुआरियों सहित शराब दुकान के सेल्समैन ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। इस दौरान मौके से जुआरी और सेल्समैन भाग गए। हालांकि पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को पकड़ लिया। एयरपोर्ट थाने में अब हैड कॉन्स्टेबल ने राजकार्य में बाधा डालने ओर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज करवाया है। घटना 30 मार्च की रात 1 बजे की है।

पीके टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, बुधवार, 01 अप्रैल, 2026

किन्नर समुदाय को ओबीसी सूची में डालना महज दिखावा : हाईकोर्ट

जजमेंट-सरकार आरक्षण पर बनाए नीति, सरकारी नौकरी और एडमिशन में 3 एक्सट्रा मार्क्स देने का आदेश

लोक टुडे। जोधपुर

राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने किन्नर (ट्रांसजेंडर) समुदाय को ओबीसी सूची में डालने की कार्रवाई को महज दिखावा और आंखों में धूल करार देते हुए राज्य सरकार को झटका दिया है। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने यह सख्त टिप्पणी 12 जनवरी 2023 की उस अधिसूचना पर की, जिसमें किन्नरों को ओबीसी सूची के क्रमांक 92 पर शामिल किया गया था। कोर्ट ने सोमवार को सुनाए रिपोर्टेबल जजमेंट में निर्देश दिया है कि जब तक नई नीति नहीं बनती, तब तक किन्नर उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक प्रवेश में 3 प्रतिशत अतिरिक्त अंक भार दिया जाए।

पूर्व याचिकाओं और अवमानना का कानूनी इतिहास

जालोर जिले की रानीवाड़ा तहसील के जाखड़ी निवासी किन्नर गंगा कुमारी (29) पुत्री भीका राम ने वर्तमान रिट याचिका दायर की थी। इससे पूर्व याचिकाकर्ता ने वर्ष 2021 में एक रिट याचिका दायर कर 1 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की मांग की थी, जिस पर कोर्ट ने 14 फरवरी 2022 को नालसा जजमेंट के तहत व्यवस्था करने का आदेश दिया था। पालना नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर की गई। इसी बीच राज्य सरकार ने 12 जनवरी 2023 की अधिसूचना जारी कर दी, जिसके आधार पर 18 अगस्त 2023 को अवमानना याचिका खारिज हो गई। इसके बाद याचिकाकर्ता ने वर्ष 2024 में नई याचिका दायर की, जिसे बेहतर तथ्यों के साथ पुनः दायर करने की छूट के साथ वापस लिया गया और अंततः यह वर्तमान याचिका पेश की गई।

अंतिम निर्देशः समिति का गठन और 3 प्रतिशत वेटेज

कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में एक समिति बनाए, जिसमें प्रतिष्ठित समाजसेवी और किन्नर समुदाय के प्रतिनिधि भी अनिवार्य रूप से शामिल हों। यह समिति सभी श्रेणियों के किन्नरों के पिछड़ेपन का अध्ययन कर उचित नीति बनाएगी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक यह नई नीति लागू नहीं होती, तब तक किन्नर उम्मीदवारों को चयन और प्रवेश प्रक्रिया में अधिकतम निर्धारित अंकों में 3 प्रतिशत का अतिरिक्त अंक भार दिया जाएगा। फैसले के अंत में एक उपसंहार जोड़ते हुए कोर्ट ने संसद द्वारा पारित और राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए लंबित 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि इस विधेयक में अपनी लैंगिक पहचान खुद तय करने का अधिकार हटाने का प्रस्ताव है। कोर्ट ने राज्य सरकार को आगाह किया कि वह नई नीति बनाते समय यह सुनिश्चित करे कि किन्नर समुदाय के खुद की पहचान तय करने के संवैधानिक सिद्धांत को हर हाल में संरक्षित रखा जाए।

कोर्ट का विश्लेषणः अधिसूचना वास्तविकता में एक खोखला दिखावा

दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने पाया कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित किरण ए.आर. मामला केवल नीट-पीजी प्रवेश तक सीमित है, इसलिए वह इस मामले में बाधा नहीं है। कोर्ट ने 2011 की जनगणना के आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए कहा कि राजस्थान की कुल 6,85,48,437 जनसंख्या में ओबीसी 3,24,23,410 हैं, जबकि किन्नर समुदाय की आबादी मात्र 16,517 (कुल का 0.024 प्रतिशत और ओबीसी का 0.046 प्रतिशत) है। कोर्ट ने माना कि इतनी अल्प जनसंख्या के लिए रोस्टर प्रणाली में अलग क्षैतिज आरक्षण व्यावहारिक नहीं होगा, क्योंकि उनका नंबर बहुत लंबे और अनिश्चित अंतराल पर आएगा। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 12 जनवरी 2023 की अधिसूचना किन्नरों को कोई वास्तविक लाभ नहीं देती है। कोर्ट ने इस अधिसूचना को बिना किसी ठोस लाभ के केवल नालसा फैसले को दोहराने वाला एक खोखला दिखावा करार दिया। कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 की धारा 8 का हवाला देते हुए सरकार के संवैधानिक दायित्व पर जोर दिया और 'कर्नाटक सिविल सेवा (सामान्य भर्ती संशोधन नियम, 2021)' को एक आदर्श मॉडल बताया, जिसमें प्रत्येक श्रेणी में 1 प्रतिशत रिक्तियां किन्नरों के लिए आरक्षित हैं।

वकीलों के तर्कः जन्म आधारित आरक्षण का नुकसान

याचिकाकर्ता की ओर से वकीलों ने तर्क दिया कि अधिसूचना किन्नरों को अलग क्षैतिज आरक्षण नहीं देती, जिससे एससी और एसटी परिवारों में जन्मे किन्नरों को अपनी जन्म आधारित श्रेणी या किन्नर श्रेणी में से किसी एक को चुनना पड़ेगा, जो उनके लिए अत्यधिक नुकसानदेह है। राज्य सरकार की ओर से सरकारी वकील ने तर्क दिया कि आरक्षण का ढांचा तय करना नीतिगत विषय है, जो कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। सरकारी वकील ने यह भी तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट में किरण ए.आर. बनाम भारत संघ मामले में क्षैतिज आरक्षण का मुद्दा पहले से लंबित है, इसलिए यह याचिका खारिज की जानी चाहिए।

नए वित्तीय वर्ष में राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के जल्द निस्तारण पर रहेगा विशेष फोकस

मुख्यमंत्री की पहल पर मुख्य सचिव ने प्रदेश भर में राजस्व अधिकारियों को जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश

लोक टुडे। जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा और पहल पर प्रदेश में नए वित्तीय वर्ष में राजस्व न्यायालय में लंबित वादों के शीघ्र और समयबद्ध निस्तारण पर विशेष फोकस रहेगा। इसके लिए उपखंड एवं तहसील से लेकर जिला एवं संभाग स्तर के राजस्व अधिकारियों को विशेष टास्क दिए गए हैं। मुख्यमंत्री निदेशों के क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के त्वरित निस्तारण के प्रदेश के समस्त राजस्व अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध बनाते हुए आमजन को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्य सचिव की ओर से जारी परिपत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रदेश में लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के लिए पूर्व में भी मानक संचालन प्रक्रिया लागू की जा चुकी है, किन्तु नोटिस तामील में देरी, रिकॉर्ड उपलब्ध न होना तथा साक्ष्य एवं जिरह के बीच अनावश्यक अंतराल जैसे कारणों से प्रकरणों के निस्तारण में विलंब हो रहा है। इस गैप को दूर करने के लिए राजस्व न्यायालय में वादों के निस्तारण की समस्त प्रक्रिया की राज्य सरकार के स्तर से सघन मॉनिटरिंग की जाएगी। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित अधिकारियों को निदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन प्रयासों से राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण होगा और आमजन को समय पर न्याय मिल सकेगा।

राजस्व अधिकारियों को हर कार्य दिवस को 4 घंटे नियमित न्यायालय संचालन के निर्देश : मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि सभी राजस्व पीठासीन अधिकारी प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक नियमित रूप से न्यायालय संचालन सुनिश्चित करें। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों में तामील प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक होने पर समाचार पत्रों के माध्यम से भी तामील करवाई जाए।

सबसे पुराने 100 लम्बित वादों की बनेगी सूची : परिपत्र के अनुसार, उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलेक्टर 01 अप्रैल 2026 की स्थिति में 100 सबसे पुराने लंबित वादों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता से निस्तारित करेंगे। इन प्रकरणों की मासिक समीक्षा कर चालू वित्तीय वर्ष में उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

संभागीय आयुक्त-जिला कलक्टर्स को नियमित निरीक्षण के निर्देश : इसके साथ ही संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि वे नियमित निरीक्षण कर न्यायालयों की कार्यप्रणाली में सुधार सुनिश्चित करें तथा इसकी रिपोर्ट राजस्व मण्डल को भेजें।

पुराने मामलों में समय अभिलेख नहीं तो अनुशासनात्मक कार्रवाई मुख्य सचिव की ओर से जारी परिपत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि अत्यधिक पुराने मामलों में यदि संबंधित अभिलेख समय पर प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। साथ ही, सभी लंबित वादों की मासिक समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजना अनिवार्य किया गया है।

दौसा में 2 सरकारी डॉक्टर और रेडियोग्राफर गिरफ्तार

सिलिकोसिस के फर्जी सर्टिफिकेट जारी कर ठगे 12 करोड़, 2024 में दर्ज हुई थी FIR

लोक टुडे। दौसा

दौसा में सिलिकोसिस के फर्जी प्रमाण पत्र बनाने के मामले में पुलिस ने करीब 2 साल बाद बड़ी कार्रवाई की। सोमवार (30 मार्च 2026) शाम करीब 7 बजे दो डॉक्टर और एक रेडियोग्राफर को पकड़ा गया। इसके बाद मंगलवार (31 मार्च 2026) दोपहर 1:30 बजे उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उन्हें दोषी मानते हुए गिरफ्तारी के आदेश दे दिए। यह मामला साल 2024 में कोतवाली थाने में दर्ज हुआ था। जांच साइबर सेल की मदद से की गई और तकनीकी सबूतों के आधार पर यह कार्रवाई हुई। साइबर थाना प्रभारी बृजेश ने बताया कि 29 जनवरी 2024 को जिला अस्पताल के पीएमओ में एलडीसी के जरिए शिकायत दी गई थी। इसमें बताया गया था कि डॉक्टर और रेडियोग्राफर ने मिलकर 2453 सिलिकोसिस के फर्जी प्रमाण पत्र जारी किए और 413 मामलों में 12.39 करोड़ रुपए का गलत भुगतान किया। इसी प्रकार चिकित्सा विभाग के निदेशक सुरेश नवल ने आदेश जारी करते हुए दौसा जिला अस्पताल में कार्यरत 8 मेडिकल कर्मचारियों को निलंबित कर दिया था। जांच के बाद दो सरकारी डॉक्टर और एक रेडियोग्राफर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए दो अलग-अलग कमेटियां बनाई गई थीं। एक कमेटी मेडिकल कॉलेज जयपुर की ओर से बनाई गई, जबकि दूसरी जिला कलेक्टर दौसा ने बनाई। जांच में सामने आया कि दौसा में सबसे ज्यादा फर्जी सर्टिफिकेट बनाए गए थे। दोनों कमेटियों की रिपोर्ट में साफ हुआ कि फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ चिकित्सा अधिकारियों की मिलीभगत से लोगों को गलत तरीके से सिलिकोसिस के कार्ड दिए गए। जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज की कमेटी, जिसमें डॉ. सीपी सावरकर, डॉ. मुकेश मित्तल और डॉ. सुनील जाखड़ शामिल थे, ने भी जांच में प्रमाण पत्रों में गड़बड़ी पाई गई थी।

12.39 करोड़ का गलत भुगतान : कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर 413 मामलों में ऑटो अप्रूवल प्रक्रिया के जरिए 12.39 करोड़ रुपए का गलत भुगतान होना सामने आया। जांच में यह भी पाया गया कि डॉक्टर और अन्य हॉस्पिटल कर्मियों ने सिलिकोसिस नहीं होने वाले मरीजों से मिलीभगत कर सरकार को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने डॉ. मनोज ऊंचवाल, डॉ. डीएन शर्मा और रेडियोग्राफर मनोहर लाल को गिरफ्तार किया है। सभी पर फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने के आरोप हैं। मामले की जांच साइबर सेल को सौंपी गई थी। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया। सोमवार शाम कार्रवाई के बाद मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया।

इस तरह सामने आया मामला : सिलिकोसिस कार्ड नवंबर 2022 में ऑनलाइन बनना शुरू हुए। इसके बाद जिले में 10 महीने में 2755 सिलिकोसिस कार्ड बनाए गए, जो प्रदेश के कुल कार्ड का करीब 46 प्रतिशत था। दौसा में इतनी बड़ी संख्या सामने आने पर प्रदेश स्तर की टीम को शक हुआ और जांच कमेटी गठित की गई।

www.pktimesnews.com

पीएम ई-ड्राइव योजना से राजस्थान में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा संबल

भारत सरकार ने दी 81.12 करोड़ रुपये की स्वीकृति, 262 स्थानों पर स्थापित होंगे 591 चार्जिंग स्टेशन

लोक टुडे। जयपुर

नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल उपभोक्ताओं के लिए नई सौगात लेकर आई है। भारत सरकार ने राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम को प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों हेतु पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 81.12 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इसके तहत प्रदेश के 262 स्थानों पर कुल 591 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इससे राज्य में ईवी चार्जिंग के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान देश में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य में ग्रीन एनर्जी नेटवर्क का विस्तार करते हुए इसे और प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम ने प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के अंतर्गत प्रदेश में नए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए भारत सरकार के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। केन्द्र सरकार से इसकी मंजूरी मिलने, राज्य में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने और ईवी के उपभोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख शहरों में स्थापित होंगे चार्जिंग स्टेशन : स्वीकृत योजना के अनुसार जयपुर में 112, अजमेर में 49, उदयपुर में 39 तथा कोटा में 28 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 34 चार्जिंग स्टेशन राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर स्थापित किए जाएंगे। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले ईवी उपयोगकताओं को सुविधा मिलेगी। ये सभी चार्जिंग स्टेशन विभिन्न सरकारी विभागों की उपलब्ध भूमि पर स्थापित किए जाएंगे। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम इस परियोजना का प्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा।

प्रदूषण में कमी और स्वच्छ ऊर्जा को मिलेगा बढ़ावा : इस पहल से राज्य में प्रदूषण रहित इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और स्वच्छ, हरित ऊर्जा को आमजन तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि ह्यपीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित तथा देश में मजबूत ईवी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र करना है।

पीके टाइम्स
www.pktimesnews.com

दैनिक लोक टुडे
www.loktodaynews.com

जनता की आवाज
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

जयपुर, बुधवार, 01 अप्रैल, 2026

अब प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन में मिलेगी बिजली

मुख्यमंत्री ने की घोषणा, दौसा एवं करौली जिले को जोड़ा

लोक टुडे । जयपुर

प्रदेश के 22 जिलों के बाद अब दौसा एवं करौली जिले में भी कृषि उपभोक्ताओं को खेती के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली सुलभ होने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ह्यएक्सह्य पर पोस्ट करके यह बड़ी घोषणा की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने का महत्वाकांक्षी संकल्प लिया है। इस क्रम में वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में यह कार्य चरणबद्ध रूप से वर्ष-2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। फिलहाल प्रदेश के 22 जिलों में कृषि उपभोक्ताओं को दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति की जा रही है। अब जयपुर विद्युत वितरण निगम के दौसा एवं करौली जिले भी इससे जुड़ने जा रहे हैं।

87801 कृषि उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

इसका लाभ दौसा जिले में 52,460 तथा करौली जिले में 35,341 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली आपूर्ति के रूप में होगा। कड़ाके की सर्दी एवं बारिश में रात्रि के समय सिंचाई करने की मजबूरी नहीं रहेगी। जंगली-जानवरों का खतरा नहीं होगा और रात्रि में वे अपने परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकेंगे।

फिलहाल इन जिलों में किसानों को मिल रही दिन के दो ब्लॉक में बिजली

फिलहाल जयपुर डिस्कॉम के 7 जिलों-धौलपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डीग एवं भरतपुर के किसानों को सिंचाई के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली उपलब्ध हो रही है। इसी तरह अजमेर डिस्कॉम के 12 जिलों-अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद, बांसवाड़ा, झुन्झुनूं, सीकर, चित्तौड़गढ एवं डूंगरपुर तथा जोधपुर डिस्कॉम के 3 जिलों-जालौर, सिरोही एवं पाली में भी कृषकों को दिन के दो ब्लॉक में आपूर्ति की जा रही है।

दौसा एवं करौली में विद्युत तंत्र को किया मजबूत

विगत समय में जयपुर डिस्कॉम ने दौसा एवं करौली जिलों में विद्युत तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। दौसा जिले में 33 केवी के 18 तथा करौली जिले में 33 केवी के 6 नए ग्रिड सब स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही दौसा में 33 केवी के 47 सब स्टेशनों पर ट्रांसफार्मरों में 128.95 एमवीए की क्षमता वृद्धि की गई है। वहीं करौली में 33 केवी के 15 सब स्टेशनों पर 49.45 एमवीए की क्षमता बढ़ाई गई है। दोनों जिलों में पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में 32 मेगावाट क्षमता के 17 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बारिश-ओलावृष्टि, पारा गिरने से गर्मी से राहत

लोक टुडे । जयपुर

राजस्थान में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी है। अप्रैल के पहले सप्ताह में भी इस सिस्टम का असर रहेगा। सोमवार को इस सिस्टम का सबसे अधिक प्रभाव रहा। कोटा, नागौर, डीडवाना-कुचामन में ओले गिरने से फसलों को नुकसान हुआ है। मौसम के इस बदलाव से दिन के तापमान में 6 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई।

कोटा में 20टट से ज्यादा बरसात :
बीते 24 घंटे में प्रदेश के कई जिलों में हवा के साथ तेज बरसात हुई। दिन में सबसे ज्यादा बारिश कोटा में 20टट रिकॉर्ड हुई। वहीं, अलवर के कोटकासिम में 5MM और

टपूकड़ा में 3टट बारिश रिकॉर्ड हुई। वहीं, नागौर, डीडवाना-कुचामन जिलों में देर रात हुई बरसात और ओले गिरने से कटने के लिए तैयार फसल खराब हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि नागौर के धनारी कलां, ढेहरू, डेगाना के सांजू, चुई ओले गिरे हैं। वहीं, डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना क्षेत्र में मनाना, गच्छीपुरा क्षेत्रों में ओले-बारिश से नुकसान हुआ है।

पारा गिरा, गर्मी से राहत :
आंधी-बारिश होने से मौसम में जो बदलाव हुआ, उससे गर्मी कम हो गई। सीकर, चूरू, पिलानी, जयपुर, फतेहपुर, झुंझुनूं, अलवर, कोटा समेत कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 2 से 6 डिग्री तक गिर गया। सबसे अधिक अधिकतम तापमान कोटा और चित्तौड़गढ़ में 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अप्रैल की बारिश के साथ होगी शुरूआत :
मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में एक्टिव वेदर सिस्टम का असर अप्रैल में भी रहेगा। पहले सप्ताह में बारिश की संभावना है। हालांकि, दो-तीन दिन में इस सिस्टम का असर कम होने लगेगा। इसके बाद गर्मी बढ़ेगी।

महावीर जयंती - 1008 वाहनों के साथ निकली शोभायात्रा

डीएसपी दिलीपसिंह ने अखिल भारतीय पुलिस टेनिस में जीता सिल्वर मेडल

लोक टुडे । जयपुर

राजस्थान पुलिस के खाते में खेल जगत की एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। पुलिस दूरसंचार जोधपुर रेंज में तैनात उप अधीक्षक पुलिस दिलीप सिंह ने 24 से 28 मार्च 2026 तक भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा नई दिल्ली के आर के खन्ना स्टेडियम में आयोजित 26वीं अखिल भारतीय पुलिस लॉन टेनिस प्रतियोगिता-2025-26 में अपनी प्रतिभा का लोहा

मनवाते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर महानिदेशक पुलिस ने दिलीप सिंह को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रीय स्तर की टेनिस प्रतियोगिता में पहली बार पदक जीतकर सिंह ने राजस्थान पुलिस का मस्तक गर्व से ऊंचा किया है। दिलीप सिंह ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के ओपन डबल्स इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह पदक हासिल किया।

मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर के ऑडिशन में मॉडल्स ने की रैम्पवॉक

लोक टुडे । जयपुर

राजस्थान की उभरती प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित मिस और मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026- सीजन 1 के ग्रैंड ऑडिशन मंगलवार को जयपुर के गोपालपुरा बाईपास रोड स्थित होटल ग्रैंड सफारी में उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुए। ऑडिशन में प्रदेश के अलग-अलग शहरों से आईं 500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का शानदार प्रदर्शन किया। यह ब्यूटी पेजेंट केवल सुंदरता का मंच नहीं बल्कि महिलाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और व्यक्तित्व को सामने लाने का एक सशक्त प्रयास बनकर सामने आया। ऑडिशन के दौरान

प्रतिभागियों ने रैंप वॉक, आत्मपरिचय, संवाद कौशल और अपनी विशेष प्रतिभाओं के माध्यम से निर्णायकों को प्रभावित किया। कई प्रतिभागियों ने नृत्य, अभिनय, सार्वजनिक संवाद और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के जरिए यह साबित किया कि राजस्थान की युवतियाँ केवल सौंदर्य ही नहीं बल्कि प्रतिभा और व्यक्तित्व के क्षेत्र में भी अग्रणी हैं। पेजेंट के आयोजक चिराग और राकेश कुमार ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राजस्थान की महिलाओं और युवतियों को ऐसा मंच देना है, जहां वे अपने सपनों को साकार कर सकें और फैशन तथा ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और पेशेवर अवसरों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

क्राइम फाइल्स

4 जिलों में वज्र-प्रहार अभियान में 172 अपराधी दबोचे

लोक टुडे । जयपुर

राजधानी जयपुर में अपराध और नशे के खिलाफ जयपुर पुलिस ने एक साथ बड़े अभियान चलाकर अपराधियों पर शिकंजा कसा। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश और स्पेशल पुलिस कमिश्नर ऑपरेशन्स ओमप्रकाश के सुपरविजन में चारों जिलों में NDPS, आबकारी और जुआ अधिनियम के तहत सोमवार को विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें 57 प्रकरण दर्ज कर 110 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

चारों जिलों में NDPS पर बड़ी कार्रवाई -
जिला ईस्टः 16 FIR, 34 गिरफ्तारी जिला वेस्टः 12 FIR, 18 गिरफ्तारी जिला नॉर्थः 12 FIR 38 गिरफ्तारी जिला साउथः 17 FIR, 20 गिरफ्तारी **ऑपरेशन वज्र प्रहार में जयपुर पश्चिम की कार्रवाई** जयपुर वेस्ट में पुलिस मुख्यालय के ऑपरेशन वज्र प्रहार के तहत प्रशांत किरण के नेतृत्व में जयपुर पश्चिम पुलिस ने 28-29 मार्च के बीच बड़ा अभियान चलाया। राजेश कुमार की अगुवाई में 110 टीमों और 386 पुलिसकर्मियों ने दबिश देकर 118 स्थायी वारंटी / धारा 299 मामलों का निस्तारण, 7 इनामी अपराधी गिरफ्तार और कुल 172 अपराधी गिरफ्तार किया। वहीं 193 व्यक्तियों को धारा 170 इठरर में, NDPS के 14 मामलों में 15, आर्म्स एक्ट के 2 मामलों में 2 आरोपी गिरफ्तार किए गए। कार्रवाई में 1 पिस्टल और 1 टोपीदार बंदूक भी बरामद हुई। पुलिस ने 10-10 हजार के दो इनामी आरोपी नंद लाल चौधरी और दिनेश चंद बंसल को भी गिरफ्तार किया, जो धोखाधड़ी के मामलों में वांछित थे।

जयपुर में पड़ोसी से झगड़े में रिटायर्ड बैंक-कर्मचारी की मौत

लोक टुडे । जयपुर

जयपुर में पड़ोसी से झगड़े में एक रिटायर्ड बैंक कर्मचारी की मौत हो गई। घर के सामने से संकरी गली में टेंपो ट्रैवलर निकालने को मना करने की बात पर पड़ोसी से उनकी कहासुनी हुई थी। धक्का-मुक्की के दौरान वे रोड पर गिरकर बेहोश हो गए थे। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को जयपुरिया हॉस्पिटल की मॉच्युर्री में रखवाया है। हादसा मंगलवार सुबह करीब 8 बजे पत्रकार कॉलोनी के पटेल मार्ग पर हुआ। SHO (पत्रकार कॉलोनी थाना) मदन लाल कड़वासरा ने बताया- झगड़े के दौरान पत्रकार कॉलोनी के पटेल मार्ग निवासी विजेंद्र सिंह (68) की मौत हो गई। वे बैंक से रिटायर्ड कर्मचारी थे और परिवार सहित यहां रहते थे। पुलिस ने मामले में टेंपो ट्रैवलर के ड्राइवर को पकड़ लिया है। वहीं पड़ोसी छोटे लाल और उसकी पत्नी से भी पूछताछ की जा रही है।

शादी से घर लौट रहे युवक पर तलवार से ताबड़तोड़ वारकर हत्या

लोक टुडे । उदयपुर

उदयपुर में पाटिया क्षेत्र से शादी समारोह से घर लौट रहे एक युवक पर आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने तलवार से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया, जिसके चलते तीन थानों की पुलिस और ऊरढ मौके पर पहुंचकर हालात को काबू में करने और लोगों से समझाइश करने में जुटे हैं। घटना पहाड़ा थाना क्षेत्र के खेड़ाघाटी, बलीचा में सोमवार देर रात करीब 2 बजे की है। मृतक नीलेश (35) अहमदाबाद में सिविल ठेकदार था। परिजनों और ग्रामीणों का सुबह से ही आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा चल रहा है। हालांकि, पुलिस के समझाइश के बाद भी अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। पुलिस ने शव खेरवाड़ा हॉस्पिटल की मॉच्युर्री में रखवाया है। दरअसल, नीलेश और उसका चचेरा भाई स्कूटी पर परिवार की शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। इस दौरान 6-7 बदमाशों ने उन पर रास्ते में ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपियों ने तलवार से पहले मृतक का हाथ काटा। इसके बाद गर्दन और कमर पर वार किया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रिक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रिक एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झेलना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रबंध संपादक - पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)